11 JAN 2019 दैनिक जागरण

स्ट्रेचर नहीं मिला तो शव को गोद में लेकर गए तीमारदार

पैरालिसिस से राजाबाजार निवासी महिला की ट्रॉमा में हुई मौत

जागरण संवाददाता, लखनऊ : केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को स्ट्रेचर तक नहीं मिल पा रहे हैं। गुरुवार को एक युवक बुजुर्ग महिला को ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचा। उसे स्ट्रेचर नहीं मिला। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। काफी देर वह स्ट्रेचर मिलने का इंतजार करता रहा, जब स्ट्रेचर नहीं मिला तो थक हारकर वह शव को गोद में लेकर ही बाहर आया।

राजधानी में राजाबाजार में रहने वाली 80 वर्षीय जाकिरा खातून को पैरालिसिस का अटैक पड़ा था। आनन-फानन में घर वाले उन्हें लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। यहां स्ट्रेचर नहीं था तो घर का युवक गोद में ही लेकर अंदर आकस्मिक चिकित्सा वार्ड पहुंचा। फिलहाल, ट्रामा सेंटर में 250 स्ट्रेचर होने का दावा किया जाता है लेकिन मौके पर मरीजों को मिलते नहीं। कई स्ट्रेचर टूटे हैं और खराब होने के कारण लोग प्रयोग नहीं करते। इस बारे में

राजाबाजार से आई जाकिरा खातून की मौत होने के बाद स्ट्रेचर न मिलने पर शव को गोद में लेकर जाता उनका पौत्र

केजीएमयू के मीडिया इंचार्ज प्रो. संतोष कुमार का कहना है कि स्ट्रेचर उपलब्ध हैं। अगर कमी आ रही है तो इसकी जांच होगी।

खाली था वेंटिलेटर फिर भी नहीं मिला

मशहूर शहनाई वादक व पद्मश्री से अलंकृत कृष्ण राम चौधरी को केजीएमयू के डॉक्टरों ने रेस्पिरेटरी इन्टेंसिव केयर यूनिट में दो वेंटीलेटर खाली होने के बावजूद मना कर दिया। इसका खुलासा केजीएमयू प्रशासन की जांच में हुआ है। आंतों के सिकुड़ने पर कृष्ण राम का मंगलवार को ऑपरेशन किया गया था। केजीएमयू के आरएसओ वार्ड में वेंटिलेटर न मिलने पर परिवारीजन 24 घंटे तक एंबु बैग से उन्हें ऑक्सीजन देते रहे। गृह मंत्रालय से शिकायत के बाद बीते बुधवार देर शाम उन्हें वेंटिलेटर मिल पाया। उधर, मामला गृह मंत्रालय पहुंचने से हरकत में आए केजीएमयू प्रशासन ने रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष से मामले की जांच करवाई।

11 JAN 2019 दैनिक जागरण

शहनाई बजवाकर दर्द दे रहे अफसर

सीएम सामूहिक विवाह योजना के दूल्हा-दुल्हन के खाते में नहीं पहुंची सहायता राशि

अजय श्रीवास्तव ● लखनऊ

शहनाई बजी, दूल्हा-दुल्हन घर पहुंच गए और मुख्यमंत्री की सामूहिक विवाह योजना सार्थक हो गई, लेकिन अफसर शहनाई की रकम पर कुंडली मारकर बैठ गए। विवाह के एक माह बाद भी योजना में शामिल वर-वधू को अनुदान की रकम नहीं मिल पाई है।

सरोजनीनगर के ग्राम गांधी ग्राम बरौली की कुसुमा, रहिमा, तबिता, शांती और कांशीराम योजना सदरौना की आंचल को भी मुख्यमंत्री विवाह योजना में शामिल किया गया था। सरोजनीनगर खंड विकास अधिकारी की तरफ से दस दिसंबर 2018 को इनका विवाह कराया गया था। विवाह बंधन में बंधने के बाद

नगर निगम की तरफ से देखा जा रहा था और अनुदान की राशि भी नगर निगम के खाते में आई थी।

को भेजने को कहा है। इसके अलावा विवाह में भोजन व अन्य पर खर्च हुए पांच-पांच हजार का भी चेक देने को कहा है।

किया जाना है लेकिन अभी तक 192 ही जोड़ों मिल पाए हैं। मुख्य सामूहिक विवाह योजना में जोड़ों का लक्ष्य पूरा न होने पर जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने

ऐसे बजनी है शहनाई

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीबों की पुत्रियों की शादी के लिए सामूहिक विवाह योजना चालू की थी। इसमें निराश्रित कन्या, विधवा की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री और दिव्यांग कन्या को प्राथमिकता दी जानी है। एक जोड़े पर करीब 35 हजार का खर्च रखा गया है। इसके तहत कन्या के खाते में बीस हजार रुपये जमा होने हैं जबकि विधवा, तलाकशुदा के मामले में सहायता राशि 25 हजार रुपये दी जाती है।